NEPAL CLEAN FEED POLICY: A BANE FOR INDIAN TV CHANNELS

Nepal Govt's plan on implementation of the Clean Feed Policy will be highly detrimental to Indian television broadcasters. The govt was preparing to implement the policy from October 24, 2020, whereas the advertising agencies have demanded implementation right from the beginning of the new fiscal year 2020/21.

While the policy was floated a decade back, it failed to reach the implementation phase for various reasons. If this policy is implemented International news channels, including those from India, may not receive permission to air in Nepal if they fail to produce advertisement-free content.

All International TV channels will have to air content without commercial advertisements or promotional materials and campaigns. The law aims at generating more advertisements for the local channels and help domestic media and advertisement industry. Violations will attract tough penalty.

International broadcasters that refuse to produce "clean feed" content is likely to lose viewers. It is understood that the policy, which will make telecasting of foreign channels more expensive, is aimed at giving greater control over them, especially those from India that are in Kathmandu's

There are around 200 foreign TV channels broadcasting programs through a delinking process in Nepal. Cable TV operators screen both 'pay channels' and 'free-to-air' channels on Nepali television sets. Most of these foreign channels are telecast from India. So, foreign TV channels in Nepal are more or less Indian channels. The 'free-to-air channels', as the norms go, telecast their contents along with 'air advertisements' in between displaying various foreign brands of goods and services to Nepali viewers

नेपाल की क्लीन फीड नीतिः भारतीय टीवी चैनलों के लिए प्रतिबंध

नेपाली सरकार की क्लीन फीड नीति के प्रस्तुतिकरण की योजना भारतीय टेलीविजन प्रसारकों के लिए अत्यधिक हानिकारक होगी। सरकार **24** अक्टूबर **2020** से नीति को लागू करने की तैयारी कर रही है, जबकि विज्ञापन एजेंसियों ने नये वित्तवर्ष **2020/21** की शुरूआत से ही इसे लागू करने की मांग की है।

हालांकि यह नीति एक दशक पहले जारी किया गया था, लेकिन यह विभिन्न कारणों से कार्यान्वयन के चरण तक पहुंचने में विफल रही। यदि इस नीति को अंतरराष्ट्रीय समाचार चैनल लागू करते हैं, जिसमें भारत के चैनल भी शामिल हैं, यदि वे विज्ञापन मुक्त कार्यक्रम को बनाने में विफल रहते हैं तो उन्हें नेपाल में प्रसारण करने की अनुमति नहीं मिल सकती है।

सभी अंतरराष्ट्रीय टीवी चैनलों को व्यवसायिक विज्ञापनों या प्रचार सामग्री और अभियानों के बिना कार्यक्रमों को प्रसारित करना होगा। कानून का उद्देश्य स्थानीय चैनलों के लिए अधिक विज्ञापन तैयार करना और घरेलू मीडिया और विज्ञापन उद्योग की मदद करना है। उल्लंघन करने पर कठोर दंड लगेगा।

अंतरराष्ट्रीय प्रसारक जो 'क्लीन फीड' कार्यक्रम को बनाने से इंकार करते हैं, वे दर्शक खो सकते हैं। यह समझा जाता है कि नीति, जो विदेशी चैनलों के प्रसारण को और महंगा बना देगा, उन पर अधिक नियंत्रण देने का लक्ष्य है विशेष रूप से जो भारत से हैं जो काठमांडू में हैं।

नेपाल में डाउनलिंकिंग प्रक्रिया के माध्यम से लगभग **200** विदेशी चैनल कार्यक्रम प्रसारण चला रहे हैं। केवल टीवी ऑपरेटर नेपाली टीवी सेट पर 'पे-चैनल' और 'फ्री-टू-एयर' दोनों चैनलों को प्रसारित करते हैं। तो, नेपाल में विदेशी टीवी चैनल कमोवेश भारतीय चैनल हैं। 'फ्री-टू-एयर चैनल', जैसे कि मानदंड चलते हैं, नेपाली दर्शकों को विभिन्न विदेशी वस्तुओं और सेवाओं को प्रदर्शित करने के बीच 'विज्ञापन प्रसारित' करने के साथ-साथ अपने कार्यक्रमों को प्रसारित करते हैं।

Nepali TV viewers pay DTH (Direct-to-Home satellite television service) providers a fixed monthly charge. They watch a range of TV programs including news and views beamed from India and other countries. Nepali TV channels are forced to produce poor contents as there is no money coming their way. Cable and DTH operators get a lucrative business opportunity when they procure a license to beam foreign channels in Nepal. As they pay millions of Rupees to operate the foreign channels in Nepal, the Nepal government wants all that money to stay in Nepal by drying up all the income that Cable and DTH operators in Nepal are getting right now.

With this policy, it is not just the domestic TV channels, the print and online media will also fall within the ambit of 'Clean Feed Policy'. If strictly implemented, all the foreign channels will get closed as per the provisions coded in the proposed law.

The Clean feed policy says that TV broadcasts (programs) must reach the viewers without any advertisements (commercials). In case of 'advertising and free air policy', commercials can be shown during the telecasts. Subscription charges under clean feed policy are always more than those under advertising policy. Free air policy requires no such payment. Nepal will no longer opt for channels under advertising policy leave aside free air policy. The basic thrust of clean feed policy is that foreign advertisements must not reach the Nepalese people. If at all foreign channels want to broadcast advertisements in Nepal, they should make advertisements in the Nepali language.

Cable operators in Nepal and Indian Broadcasting Foundation are opposing the clean feed policy. Sudhir Parajuli, president of the Federation of Cable TV Association of Nepal, reasons that, the Implementation of Clean Feed Policy will force consumers to pay more and foreign broadcasters would require to set up separate facilities for scissoring foreign commercials and relaying the channels to Nepal. This will add up more costs which will ultimately fall on consumers. ■

नेपाली टीवी दर्शक डीटीएच (डॉयरेक्ट–टू–होम सैटेलाइट टेलीविजन सेवा) प्रदाताओं को एक निश्चित मासिक शुल्क देते हैं। वे भारत व अन्य देशों से प्रसारित समाचारों व विचारों सहित कई टीवी कार्यक्रमों को देखते हैं। नेपाली टीवी चैनलों को खराब कार्यक्रम बनाने को मजबूर किया जाता है, क्योंकि उन्हें कोई पैसा प्राप्त नहीं होता है। केबल और डीटीएच ऑपरेटरों को एक आकर्षक व्यवसाय का अवसर मिलता है, जबकि उन्हें नेपाल में विदेशी चैनलों का लाइसेंस प्राप्त होता है। चूंकि वे नेपाल में विदेशी चैनलों को संचालित करने के लिए लाखों रूपये का भुगतान करते हैं, नेपाल सरकार चाहती है कि नेपाल में केबल और डीटीएच ऑपरेटरों को जो आय प्राप्त हो रहा है वह सारा पैसा नेपाल में ही रहे।

इस नीति के साथ केवल घरेलू टीवी चैनल ही नहीं बल्कि प्रिंट, ऑनलाइन मीडिया भी 'क्लीन फीड' नीति के दायरे में आ जायेंगे। यदि सख्ती से लागू किया जाता है तो प्रस्तावित कानून में दिये गये प्रावधानों के अनुसार सभी विदेशी चैनल बंद हो जायेंगे।

'क्लीन फीड' नीति कहती है कि टीवी प्रसारण (कार्यक्रम) को बिना किसी विज्ञापन (विज्ञापनों) के दर्शकों तक पहुंचना चाहिए। 'विज्ञापन व फ्री एयर नीति' के मामले में, प्रसारण के दौरान विज्ञापनों को दिखाया जा सकता है। विज्ञापन नीति के तहत 'क्लीन फीड' नीति के तहत सब्सक्रीप्शन शुल्क हमेशा से अधिक होता है। फ्री एयर नीति के लिए इस तरह के भुगतान की आवश्यकता नहीं है। नेपाल अब विज्ञापन नीति के तहत चैनलों का चयन नहीं करेगा, जो फ्री एयर नीति को छोड़ देगा। क्लीन फीड नीति का मूल जोर यह है कि विदेशी विज्ञापन नेपाली दर्शकों तक नहीं पहुंचना चाहिए। यदि सभी विदेशी चैनल नेपाल में विज्ञापन प्रसारित करना चाहते हैं तो उन्हें नेपाली भाषा में विज्ञापन देना होगा।

नेपाल और इंडियन ब्रॉडकास्टिंग फाउंडेशन के केबल ऑपरेटर 'क्लीन फीड' नीति का विरोध कर रहे हैं। फेडरेशन ऑफ केबल टीवी एसोसिएशन ऑफ नेपाल के अध्यक्ष सुधीर पराजुली ने कहा कि क्लीन फीड नीति के कार्यान्वयन से उपभोक्ताओं को अधिक भुगतान करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा और विदेशी प्रसारकों को विदेशी विज्ञापनों को प्रसारित करने और नेपाल में चैनलों को रिले करने के लिए अलग–अलग सुविधायें स्थापित करने की आवश्यकता होगी। इससे लागत में बढ़ोतरी होगी, जिसका भार अंततः उपभोक्ताओं को ही उठाना पड़ेगा। ■